बी.पी.सी.सी.–133

मनोविज्ञान

(बी.ए.जी.)

सत्रीय कार्य
2020–2021

बी.पी.सी.सी. 133 : मनोवैज्ञानिक विकार

मनोविज्ञान संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

सत्रीय कार्य
जुलाई 2020-2021

प्रिय शिक्षार्थी,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम दर्शिका में सूचित किया है कि इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता हैः i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत् मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक तथा सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक निर्धारित है।

बी.पी.सी.सी. 133, 6 क्रेडिट (4 क्रेडिट सिद्धांत + 2 क्रेडिट ट्यूटोरियल) का पाठ्यक्रम है। आपको **बी.पी.सी.सी. 133** के 4 क्रेडिट के लिए **सत्रीय कार्य** करने होंगे। 2 क्रेडिट की ट्यूटोरियल संबंधित गतिविधि सत्रीय कार्य के भाग ब में सम्मिलित की गई है। यह गतिविधि 2 क्रेडिट की है।

भाग अः सत्रीय कार्य-I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ एवं जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य-II में लघु श्रेणी के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरान्त प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

भाग बः ट्यूटोरियल में सत्रीय कार्य के भाग ब में दी गई गतिविधि को पूरा करना होगा। इसका मूल्यांकन आपके शैक्षणिक परामर्शदाता करेगें। यह गतिविधि सत्रीय कार्य के अतिरिक्त की जायेगी।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें।

आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द–सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल में सुधार होगा, तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

पूरा किया गया सत्रीय कार्य **अपने अध्ययन केंद्र के संचालक** के पास निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँः

जुलाई 2020 चक्र के विद्यार्थियों के लिएः 30.04.2021

जनवरी 2021 चक्र के विद्यार्थियों के लिएः 31.10.2021

* आपको सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अन्दर जमा करने होंगे, जिससे आप सत्रांत परीक्षा दे सके।

जमा कराये गये सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभाल कर रखिये। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें। मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। पूर्ण किये हुए सत्रीय कार्य आपको प्रेषित किये गये अध्ययन केन्द्र के संचालक को ही भेजने होंगे।

सत्रीय कार्य लिखने से पहले नीचे दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक अनुकरण करें:

1. आपके लिए नीचे दिए गये तथ्यों पर ध्यान केन्द्रित करना उपयोगी साबित होगा।

   क) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

   ख) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें। उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

      क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

      ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

ग) प्रस्तुतीकरण : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

2. अपने उत्तर लिखने के लिए A4 साइज पेपर का प्रयोग करें और सभी पेजों को ध्यानपूर्वक टैग करें। बायीं ओर 4 सेमी का हाशिया और दो उत्तरों के बीच कुछ जगह छोड़े। उपयुक्त जगहों पर छोड़े गये हाशिया में उपयुक्त टिप्पणी करने में शैक्षणिक परामर्शदाता को सुविधा होगी।

3. ***उत्तर आपकी स्वयं की लिखावट में होनी चाहिए।*** अपने उत्तरों को टाइप या प्रिंट न करें। विश्वविद्यालय द्वारा भेजे गये अध्ययन सामग्री से अपने उत्तर की नकल न करें। अगर आप अध्ययन सामग्री से नकल करते हैं तो आपको शून्य अंक मिलेंगे।

4. आपको सत्रीय कार्य की एक प्रति पूर्ण किये सत्रीय कार्य के साथ इसे जमा करने से पहले संलग्न करनी होगी।

5. अगर आपने अध्ययन केन्द्र परिवर्तित के लिए निवेदन किया हुआ है, तो आपको सत्रीय कार्य, मूल अध्ययन केन्द्र में ही जमा करना चाहिए जब तक कि आपको विश्वविद्यालय द्वारा अध्ययन केन्द्र के बदलने की सूचना ना मिल जाये।

6. अगर आपको अपने सत्रीय कार्य के मूल्यांकन के पश्चात् कोई वास्तविक त्रुटि मिलती है जैसे सत्रीय कार्य का कोई हिस्सा का मूल्यांकन नहीं हुआ हो या कुल अंक जो संत्रीय कार्य पर गलत अंकित है, आदि। ऐसी त्रुटियों के सुधार के लिए और मुख्यालय में सही अंको को भेजने के लिए, अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक से संपर्क करें।

शुभकामनाओं के साथ,

मनोविज्ञाान संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ,
इग्नू, नई दिल्ली

बी.पी.सी.सी.-133 : मनोवैज्ञानिक विकार
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः **BPCC-133**

सत्रीय कार्य कोड : **बी.पी.सी.सी. -133 /ए.एस.एस.टी./TMA/2020-21**

अधिकतम अंकः **100**

नोटः सभी प्रश्न अनिवार्य है।

भाग–अ

सत्रीय कार्य - I

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक नियत है। **2x20=40**

1. मनोविदलता के नकारात्मक लक्षणों का वर्णन कीजिए। मनोविदलता के जैविक कारणों को स्पष्ट कीजिए। 20

2. सामान्यीकृत दुश्चिंता विकार की सामान्य विशेषताओं और कारणात्मक कारकों की व्याख्या कीजिए। 20

सत्रीय कार्य - II

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक नियत है। **6x10=60**

3. विशिष्ट दुर्भीति के प्रकार
4. उन्माद प्रकरण के लक्षण
5. बीमारी दुश्चिंता विकार
6. द्वि धातुमान–शुद्ध चक्र
7. जेंडर विषाद
8. मादक द्रव्य सेवन संबद्ध विकार का मनोसामाजिक उपचार

भाग–ब

ट्यूटोरियल

नोटः आपको निर्देशों के अनुसार गतिविधियों को पूरा करना है। प्रत्येक गतिविधि के लिए 15 अंक नियत है।

- **श्री अशोक का निदान**

इस अभ्यास के लिए आपको श्री अशोक का निदान करने की आवश्यकता है। श्री अशोक का मामला कुछ–कुछ अस्पष्ट और बहुत आसान नहीं है। इस गतिविधि की सहायता से आप निदान के विभिन्न सम्मिलित पहलुओं जिसमें लक्षण, समावेश और बहिष्करण मानदंड, रोगी की सटिक जानकारी प्राप्त करने का महत्व और कभी–कभी नैदानिक श्रेणियों में अस्पष्टता को समझ पाएंगे।

श्री अशोक 55 वर्षीय व्यवसायी है। उनका दावा है कि पिछले कुछ सप्ताह से आयकर अधिकारी उन पर निगरानी रख रहे है। वह सोचते हैं कि उन्होंने अपने व्यवसाय में कुछ गैर कानूनी गतिविधियाँ की है। इससे आयकर अधिकारियों को आयकर चोरी के विषय में संदेह हुआ है। उनकी पत्नी और सहकर्मियों ने उन्हें समझाने की कोशिश की है कि उनका विचार गलत है लेकिन उनका विश्वास है कि आयकर अधिकारी उनके घर पर निगाह रख रहे है, उनका फोन सुन रहे है और हो सकता है कि वे छत पर भी छिपे हों। वह जाँच–पड़ताल के परिणामों से डरते हैं और अपने व्यवसायिक कार्य क्षेत्र पर जाने से बचते हैं। जब वे घर पर होते है तब सारे पर्दे खींचकर रखते है और अपना फोन बंद कर लेते हैं। श्री अशोक की पत्नी ने मनोवैज्ञानिक को बताया कि एक निजी कंपनी में अपनी पिछली नौकरी, छंटनी के कारण गंवाने के बाद उनके पति में काफी बदलाव आया है। उन्होंने आगे बताया कि उनके पति अपने खाली समय में, तो खाते या सोते है और वह मानसिक रूप से सजग नहीं रहते है। मनोवैज्ञानिक द्वारा पूछे जाने पर अशोक ने आत्महत्या के किसी भी विचार से इनकार किया। अशोक ने आगे कहा कि ''मैं आपसे मिलने आया हूँ क्योंकि मेरी पत्नी और बच्चों ने आपसे मिलने का सुझाव दिया था''।

स्थिर–व्यामोही विकार या मुख्य अवसादी विकार (डी.एस.एम–5, ए.पी.ए., 2013) का उपयोग करते हुए श्री अशोक का निदान कीजिए। लक्षणों, समावेश और बहिष्करण मानदंड और रोगी से प्राप्त जानकारियों को सूचीबद्ध कीजिए।

2. विश्व स्वास्थ्य संगठन की नवीनतम रिपोर्ट (2019) के अनुसार, दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र में भारत का सबसे अधिक आत्महत्या दर है। लेसोथो (24.4) और कोरिया गणराज्य (15.4) के बाद, भारत में महिलाओं की आत्महत्या दर (14.7) सबसे अधिक है। 15–29 वर्ष के आयु वर्ग में सड़क हादसे के बाद, मृत्यु का प्रमुख कारण आत्महत्या है। सतत् विकास लक्ष्यों के एजेंडा में मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दिया गया है।

उपरोक्त के प्रकाश में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

- आत्महत्या कौन करता है?
- आत्मघाती व्यवहार में सम्मिलित कारण क्या है?
- लोगों द्वारा आत्महत्या करने का प्रयास या आत्महत्या करने के संभावित कारण क्या है?
- मनोविज्ञान विषय के विद्यार्थी के रूप में आप एक दोस्त या रिश्तेदार जो आत्मघाती विचार व्यक्त कर रहा है उसकी सहायता कैसे करेंगे।